पेप्सिको की व्यावसायिक नर्सरी से कृषकों को मिल सकेंगी खट्टे फलों की 32 किस्में

जालन्धर, 25 अप्रैल (चन्दीप भल्ला): पेप्सिको इंडिया जिसने कि 1989 में भारत में कदम रखे थे अब कृषकों के साथ मिलकर गेहूं और धान जैसी सामान्य फसलों के मुकाबले अधिक आम्दनी का अवसर प्रदान कर रही है जिससे किसानों को 16 रूट स्टॉक और खट्टे फलों की 32 किस्में मिल सकेंगी।

यह जानकारी आज जल्लोवाल स्थित पेप्सिको इंडिया के प्लांट में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पेप्सिको के सी.ई.ओ. संजीव चड्डा ने दी।

उन्होंने बताया कि अब हमारे पास एक व्यावसायिक नर्सरी वाला विशाल संग्रह है जहां से पंजाब के किसानों को विश्व स्तर के पौधे मिलते हैं इससे इस वर्ष के अंत तक खट्टे फलों की खेती के लिए 10,000 एकड़ भूमि का उपयोग होने की उम्मीद है। अगले वर्ष तक नर्सरी की क्षमता सालाना चार अरब पौधों तक की हो जायेगी जो हर साल 35000 एकड़ ज़मीन पर बाग लगाने के लिए काफी होंगे।

पेप्सिको इंडिया के सी.ई.ओ. संजीव चड्डा संवाददाताओं को संबोधित करते हुए। साथ में अभिराम सेठ व डा. काहलों। (छाया : अरोड़ा)

शुरुआत में पेप्सिको इंडिया ने धान की खेती में पानी की खपत घटाने के

पेप्सिको इंडिया की कृषकों के साथ अनूठी पेशकश

लिए तीन वर्षों तक जल्लोवाल स्थित अपने खुद के रिसर्च एंड डिवैल्पमैंट विभाग की ज़मीन पर प्रयोग किए अब यही कोशिश है कि सबसे बड़े जूस ब्रांड ट्रोपिकाना के लिए खट्टे फलों की आपूर्ति स्थानीय स्तर पर हो सके इसीलिए इस खेती पर विचार शुरू हुआ है।

इस मौके पर संजीव चड्डा के अलावा अभिराम सेठ व डा. काहलों ने भी सभी को संबोधित किया व महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।